

ranging from 50 in the early years to only 15 in 1965.

**Mr. Speaker:** Short Notice Question.

**Shri Hari Vishnu Kamath:** On a point of order, Sir. Under Rule 54 . . .

**Mr. Speaker:** First let me finish these short notice questions.

**Shri Hari Vishnu Kamath:** There is another white paper; this is also about short notice questions.

**Mr. Speaker:** First let me finish these short notice questions.

12.00 hrs.

#### SHORT NOTICE QUESTIONS

##### ऊनी कपड़े के मूल्य

**S.N.Q. 11.** श्री यशपाल सिंह : क्या वार्ताण्ड्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि ऊनी कपड़े के मूल्यों में गत वर्ष की अपेक्षा सौ प्रतिशत से भी अधिक वृद्धि हुई है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने इस मामले की कोई जांच की है ; और

(ग) मूल्य घटाने के लिये सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

**The Minister of Industry (Shri Manubhai Shah):** (a) We have checked up carefully the prices of woollen cloth as compared to last year. In some varieties the prices have gone up by 11.1 per cent, in some cases by 5 per cent and in some varieties by 1.8 per cent. Therefore, I do not agree with the hon. member's observation that the prices have gone up by 100 per cent.

(b) and (c). Do not arise.

श्री यशपाल सिंह : शायद कभी माननीय मंत्री जी को कपड़ा खरीदने का मौका न मिला हो। इतने माननीय सदस्य यहां बैठ हुए हैं,

सब से पूछ कर देख लें कि आज देहात में गरम कपड़ा किसी मूल्य पर नहीं मिल रहा है और दिल्ली में जो मिलता है वह दुगने दामों पर मिल रहा है, इतना दाम बढ़ा हुआ है।

श्री मनुभाई शाह : जहां तक माननीय सदस्य का ताल्लुक है . . . .

अध्यक्ष महोदय : पहला सवाल तो यह है कि क्या कभी आपने कपड़ा खरीदा है।

श्री मनुभाई शाह : यह मैं मानता हूँ कि चालीस साल हो गए तब से मैं मिल का कपड़ा नहीं पहनता। लेकिन जो हमारे इन्स्पेक्टर लोग हैं और यशपाल सिंह जी जैसे दोस्त हैं वे जाते आते रहते हैं, उनसे भी तहकीकात की है। माननीय सदस्य का ख्याल गलत है।

श्री यशपाल सिंह : क्या माननीय मिनिस्टर महोदय, यदि वे खुद नहीं जा सकते हैं, तो अपने किसी कर्मचारी को चांदनी चीक भेज कर मालूम करेंगे कि कितना दाम बढ़ा है ?

श्री मनुभाई शाह : मैं सदन का सेवक हूँ। जब सवाल आया है तो पता करना ही होता है।

अध्यक्ष महोदय : अच्छा हो आप यशपाल सिंह जी को ही भेज दें।

**Shri S. M. Banerjee:** May I know whether it is a fact that not only the price of woollen cloth, but the price of wool has gone up abnormally in Delhi and other important cities of the country? If so, is it because of the non-availability of wool or diversion for the needs of jawans?

**Shri Manubhai Shah:** The main reason is lack of foreign exchange for import of foreign wool. Practically all the fabrics knitted or woven, as the House knows, are manufactured out of imported Switzerland and New Zealand wool, which in the present circumstances of foreign exchange difficulties we are not able to provide adequately.